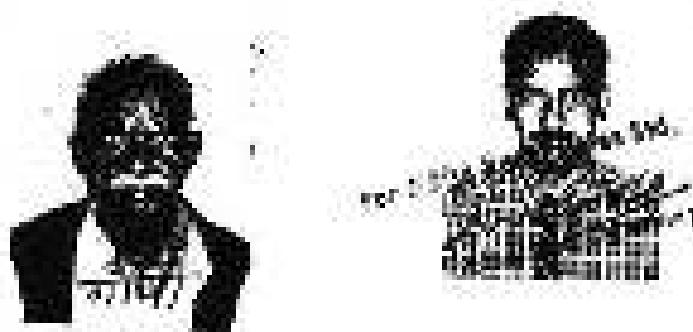




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 723672



क्रमांक

प्र० १३४८	प्र० १३४९	प्र० १३५०
प्र० १३५१	प्र० १३५२	प्र० १३५३
प्र० १३५४	प्र० १३५५	प्र० १३५६

१. फू० १३४८	२५
२. प्र० १३४९	प्र० १३५१
३. प्र० १३५०	प्र० १३५२
४. प्र० १३५१ वि. १३५२	प्र० १३५३ प्र० १३५४

प्र० १३५५

प्र० १३५६



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 2 -

1. उत्तर प्रदेश, वाराणसी २३५

रुपये ०.२४० रुपये ०.७०० रुपये

२. उत्तर प्रदेश, लखनऊ २०८

रुपये १२२ रुपये ०.१७७ रुपये

३. उत्तर प्रदेश, लखनऊ ०.५३७

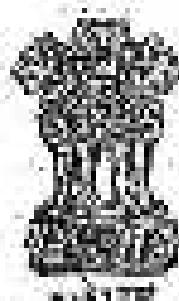
रुपये १२२ रुपये ०.१७७ रुपये

रुपये १२२

भारतीय नौर न्यायिक

एक सौ रुपये

₹. 100



Rs. 100

ONE
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

II 725671

.3.

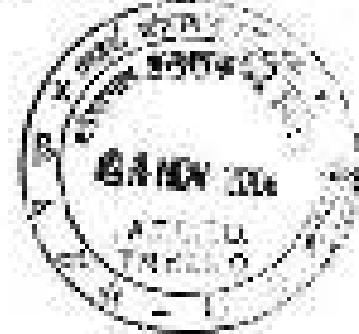
३०. वस्तु का नम ५८० लाल ॥
२१। डॉ गुरु भैरव ३.००४ डॉ वं
१/२ वार इलाहा १०० रुप लिखा
अप- पुराणनगर पुस्तक, वाराण
सिंहारा, उत्तर प्रदेश भारत

कोटि

रुपये



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 4 -

5.	नाम की ईच्छा	कौरोंगा
6.	पर्याप्त ज्ञ शोषण	1.550 क्रेडिट
7.	महार की विविध	जुलाई 1951 के अनुसारी पा. 2 लागत 250 रुपये की विविध
8.	लगानी का अवधि	क्षमा

- शिल्पी -



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 5 -

१०. एवं के लिये - ही में ही।

११. नोटों/कुपोषण - इन से नहीं है।

लोकल भारत रुपये 225

रुपये	महाराष्ट्र २२५, गोव २२५
रुपये	बालग नं० २२५, २३२, २३३
रुपये	आसा नं० २२५
रुपये	भारत नं० २२५

रुपये २२५
भारत रिजर्व बङ्क
मुख्यालय - मुमुक्षु विभाग
मुख्यालय - उत्तर प्रदेश

रुपये २२५



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 6 -

चैक्य लाला नं० 222

प्रमाण	खाली गुरु-गुरु रामानन्द सिंह
प्रिया	सुमना नं० १६८
दृष्टि	जला नं० ११८
प्रस्तुति	दिवा नं० २३१

चैक्य लाला नं० 223

— ४ —



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



गोपनी	: असाम नं०- ३४६ वा-१००५५-१८७५
सुहाग	: असाम नं०- ३२४, ३३०
पुल	: असाम नं०- ३२७, ३३२
पश्चिम	: असाम नं०- ३३३

क्रौलवी उत्तरा नं० २२९

गोपनी	: असाम नं०- ३२६
सुहाग	: असाम नं०- ३२७

क्रौलवी उत्तरा नं० २२९
असाम राज्य बङ्क
क्रौलवी उत्तरा नं० २२९
असाम राज्य बङ्क

क्रौलवी
उत्तरा



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

25000/-

3.4.1949

पूर्व लालगढ़ १२७

पूर्व लालगढ़ १२८

सौन्दर्य छलका नं० ५१० व ५१०८

जात : उत्तर प्रदेश ५१५,५२०

दरिल : उत्तर प्रदेश ५१५

मुद्रा : उत्तर प्रदेश ५१५,८७२

परिवर्तन : उत्तर प्रदेश ५१५

कृष्णपा



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

25000

संख्या ३०

१०

प्रधान परम वर्ष महान् - १

विभाग परम वर्ष महान् - १

विभागीय कालिकाता	द्वारा कालिकाता
१. गोपी बाबू गुप्तकान्त मैत्री विभागीय पाप गुप्तकान्त पूर्ववत्, उत्तरा बिहारी, गोपीनाथ व विला रामकृष्ण	लिला विला इस्टर्न एड एंटर्प्राइज ज़िल्हा ११०। दलहारीप इकाई दलहारीप नगर, नई दिल्ली विभाग पका दूरीप नगर वाहनपर्सीपुर्ज विभाग १३, राम प्रताप नगर

प्रधान



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

259 | P

1

हल्दीन जाया उपर्युक्त निवास
 श्री मिनीह शीशमाल पुज श्री
 एम्बेडर शीशमाल कट्टवार उ.
 स्थानी जाया हृषीप देवा
 वाहनेपत्रोऽस्य विद्वान् । ३.
 एष प्राप्य नार्त लालनद
 अवगत- गौमा

227



उत्तर प्रदेश (UPPAR TRADES))

250132

-11-

वह लिया गया है। नोटे का उपरी भाग नियमी प्रकार
कुण्डलनगर, ब्रह्मपुर, परमन विजयी, तहसील ए तिका अधिकारी निले
एवं लिखेतारा है। यह इस लिया गया वास्तविक लिंग राजस्थान

का दावा है।

लिंग



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

250153

- 12 -

संख्या ११०३, रामराम लोहन, गासोरीय नगर, नांद किलो झर्मान जा
मुलीय तत्र वक्तव्यपत्रिका निम्नलिखि, १३, एष उत्तर प्रदेश लघनक द्वारा
अद्यैत इलाइट्टा श्री शिवा अश्वामहार युज श्री एम्प्लोय श्रीगालम
पत्रान व अधिक चाला गृहिष ना वक्तव्यपत्रिका निम्नलिखि, १३, एष।

- ३५४ -



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

250154

- 13 -

प्राप्ति सार्व लक्षणक अन्ते भारत रिपब्लिक द्वारा निम्नलिखित
दिनांकित गया।

५. जि. राज्यालय गुरु उमर जाला २२० कला १०३६

(विदेश, लखनऊ २२५ रोड C २४० द्वे) अगस्त संख्या २२२ नं।

प्राप्ति
लक्षण
निम्नलिखित
दिनांकित
गया।

लक्षण



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 725670

14-

संग्रह ८२, उत्तर प्रदेश २२४ रुपया ०.३७७ ३०, भारत ५६४ ३०
रुपया ०.६५ ३०, भारत ५१० रुपया ०.२५१ ३०
भारत का एका लोक रुपया ०.१२२ भारत ५०२ ३०
भारत राष्ट्र-प्रशासन बुक्स, प्रशासन विभाग, अमृतसर
लोक लोक का विकास, विकास के लिए भारतीय

गोर्जी

१ रुपया
५६४



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

250156

1

अन्तिम पारदर्शक संग्रह में इस वर्ष 20030 के अनुभार भूमि
प्रदानाद्वय के नए लोकनीय नृत्यों के लिए उन्हें और उनका क
र्तव्य का अनुसार वर्णन गिरिशोऽसो में दी गया है। जिसका अनु-
सार दिला बिता के दृश्य किया जाता था वह यह है-

二〇〇一



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 14 -

विकासग्रन्थोंका प्रयोग की विधि अब एक व्यापक तरीके से लागू हो चुकी है और इस विधि का अधिक मुख्य लाभ यही है। यह श्री विकासग्रन्थोंका विभिन्न विषयों को 1947-48 की सेवा के बहुत अच्छा तरीके से लाभ होने की विधि है।

—३५—

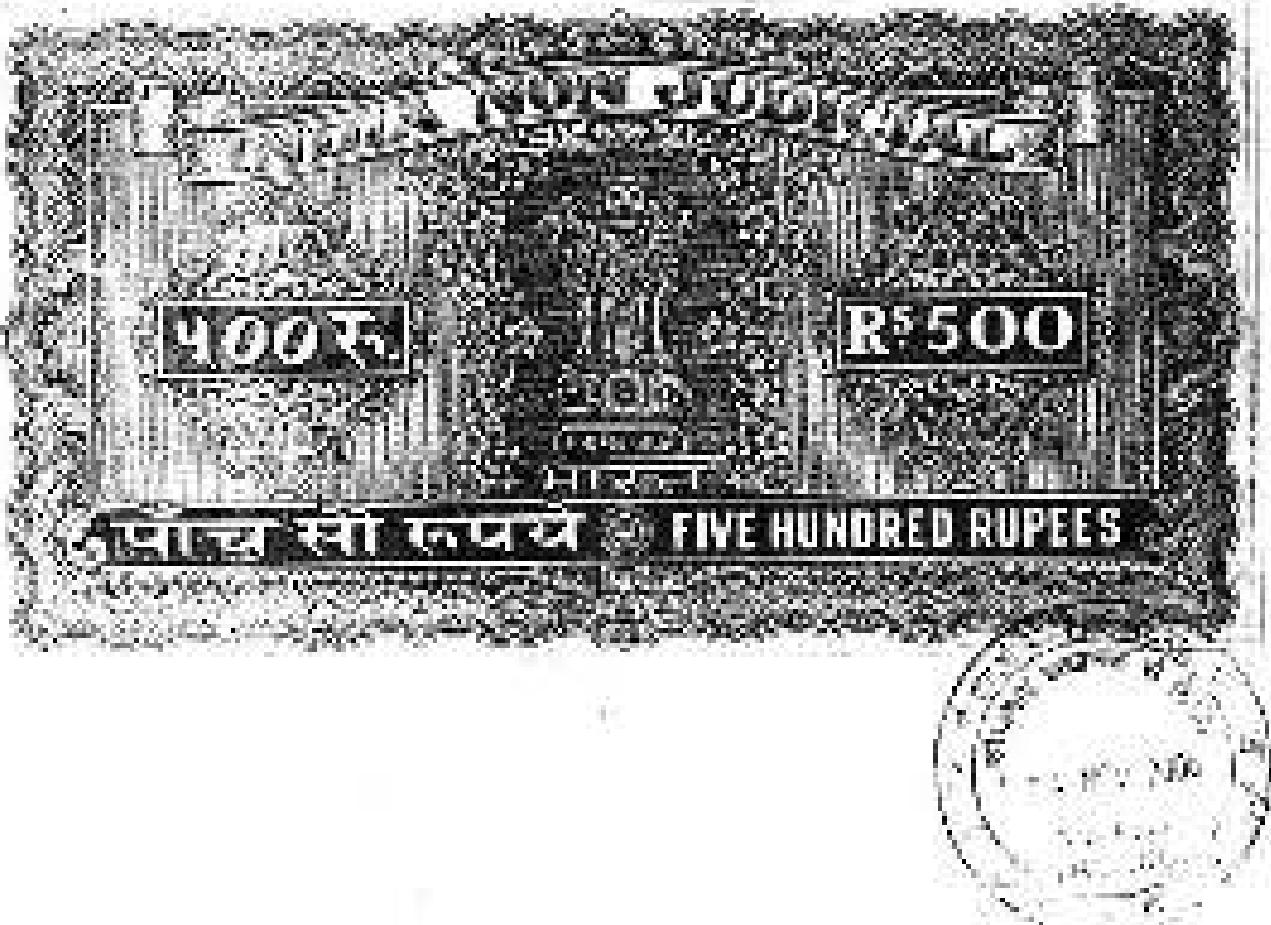


15

विज्ञान ने उस इनिजेक्शन से गूही को कम, लेकिन ये अनुभवित हुए हैं, जहाँ विष है। विज्ञान ने उस धूप पर दूरी रखने का आदेश दिया है औ उस दूरी तक है। उठ दौड़े ऐसा भृत्य मनुष्य में विकल्प है जो उसके विज्ञान विज्ञान व उसके वासिनों “ अधिक लकड़ी छोड़ती हैं। इन वैज्ञानिक धूप के लकड़ी गोंदों वाली जगह जब उसकी अवस्था बदलती है तो उसकी विजाह वह जन्म लिया जाता है, वह ही जुन फूल फूलता है। विज्ञान व उसका जल धूप में जिनी शब्द लिखा जा सकता है वह यह है कि यह धूप ही है। यह विज्ञान व उस विषुर अन्यथा जाने वाले एवं अनिवार्य प्रयोग है। इन वैज्ञानिक धूपशिल्पी ने विज्ञान से विज्ञान लिया है। इन वैज्ञानिक धूपशिल्पी की उम्मीद यह है कि वह उस वैज्ञानिक धूप में जारी रखा जाएगा वह जल लेने वाली जगह जहाँ विज्ञान व उस विज्ञान लिखकर है, उसमें उसके अन्यतरीकरण लिखा जाये। कोई कहने वाला नहीं है, यह विज्ञान ने जारी कर दी है वह वैज्ञानिक धूप की जगह लिखकर नहीं। विज्ञान ने विज्ञान वैज्ञानिक की जगह लिखकर

-3-

$$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial \mathcal{L}}{\partial \dot{x}_i} \right) = \frac{d}{dt} \left(\frac{\partial \mathcal{L}}{\partial x_i} \right) + \frac{d}{dt} \left(\frac{\partial \mathcal{L}}{\partial \dot{x}_i} \right) = \frac{d}{dt} \left(\frac{\partial \mathcal{L}}{\partial x_i} \right) + \frac{d}{dt} \left(\frac{\partial \mathcal{L}}{\partial \dot{x}_i} \right)$$



10

५८ ये लिप्ताप वह भी नहि. कला ही ये तरह पूरी उत्तम
लिप्ताप होनेवा, बहुत ज्ञान वाला उत्तम एवं उत्तम अद्वितीय उत्तम-क
ला कला लिप्ता ही लिप्तावी उत्तम ही लिप्तावी उत्तम द्वारा अधिकारित हो
सी चीज़ी नहि - ही गलती हो

-2-



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 7258 C9

10

सर जी का विशेषज्ञ रायपत्र एवं उक्त विभिन्न दस्तावेजों
में उपले लगा रखे थे तो तो ऐसा नहीं बोहँ जापाहै न होनी चाहे वह जिस
का विशेष विभाग था वहाँ विशेष विभाग विभाग वह वह इस
प्राप्ति पर दोहरा गया लक्ष्मी भूमध्यमा युद्धमें व वहाँ लोटे, जिसमें वह
दोहरा जापाहै = होगी।

यह निवासीका दसवा अधिक सात प्रत्यक्षरागार एवं कला अदेनपाल
केरा ने अधिकारिक रूप के अनुबन्ध अनु ई इमेजर नियोगि दर्शकों देख
भुग्ता 15,00,000/- रुपौ देखेंगे हैं जोकि भुवन का ज्ञान विषयकों के पास में
ने आए है अधिक 10 लाखपाई दूसरे जल्द भुग्ता हुए 80 17,18,750/- देखेंगे
जो विशेष भुग्ता 1302 लेफ्टोंडर का बाहरवा 80 25,83,561/- देखें है
जो उन भुवन का है अनु ई 40 3 लोगों द्वारा देखा 5,100/- में
हिस्सा में 10,000/- लोगों हैं जिनमें से की भुग्ता विविध विवर लाभता 80
25,91,363/- देखें हैं जो दिव्य भुवन हुए हैं जो विविध भुवन मूल्य में लोगों की
दानादान विपालनामा विवर करते हुए 80 3,33,900/- विविध भुवन अनु

三



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

423503

- 20 -

27



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 608600



11-

वालाति व सदस्य नहीं है। इस सिफारिश के निम्नलिखित बहुत अधिक उपर्युक्त विषयों में दोष नहीं दिया गया है।

लिखने वाले विषय एवं विदेशी ने दोष के लिये विवरण दिए हैं और अन्यकों का वहने पर भगवान् अदि

द्वारा

द्वारा

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

3611754

गारंडोल: मुमुक्षु विद्यालय

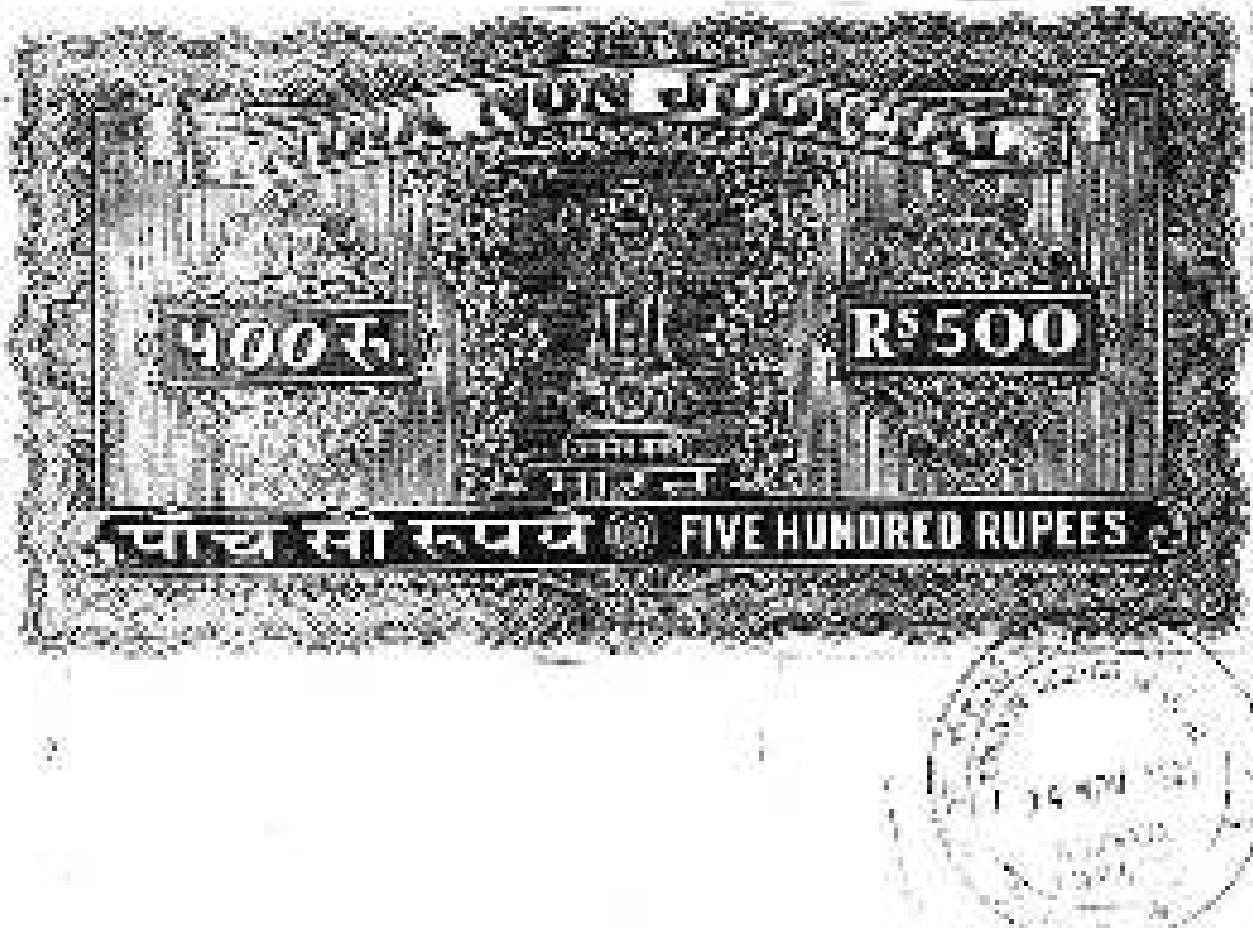
1. क्रमांक - ०१ संग्रहालय अस्ट्रो एवं एन्सी ३६११७५
दिनांक २८.१२.२००६ परावर नियम ईप, उत्तरप्रदेश विद्यालय
केन्द्र से जाह द्या।
2. क्रमांक - ०२ ३.००.००/- डाल देव लाल - ३६११७५

३६११७५

३६११७५

३६११७५

500 Rs.



26 -

दिनांक 05.11.2006 परम अमल वा, बाबराम लखाज
जैता से पात्र है।

1 विदेशी वी एस 5,00,000/- द्वारा देख लखा 11.11.2006
दिनांक 25.11.2006 परम अमल वा, बाबराम लखाज
जैता से पात्र है।

जैता

१. निवेदनगम को ₹ ५,००,०००/- द्वारा चेत सख्त- ८५४१११
दिनांक २४.११.२०३६ पंचाय नेशनल बैंक, हरयाणा लखनऊ देहां
प्रभास हुरा।
२. निकेतनगम द्वारा ₹ ५,००,०००/- द्वारा चेत सख्त- ८५४१११
दिनांक २४.११.२०३६ पंचाय नेशनल बैंक, हरयाणा लखनऊ देहां
प्रभास हुरा।
३. निवेदनगम को ₹ ५,००,०००/- द्वारा चेत सख्त- ८५४१११
दिनांक २४.११.२०३६ पंचाय नेशनल बैंक, हरयाणा लखनऊ देहां
प्रभास हुरा।
४. निवेदनगम को ₹ २,२४,७४६/- द्वारा चेत सख्त- ८५४१११
दिनांक २४.११.२०३६ पंचाय नेशनल बैंक, हरयाणा लखनऊ देहां
प्रभास हुरा।
- पूर्व पक्ष निवेदनगम के कुल रेक्ट्र दर्शन ₹ ३५,३८,७४५/- (तत्त्वान्तर्मिति के लिए निवेदनगम के दर्शन के बाहर दूर) देहां प्रभास
हरयाणा लौकार दर्शन है।

सिंह (द्वारा दर्शन के लिए उन अवधियों के लिए १,५०२ दिन में दिल्ली
दर्शन है।)

गोपी

पूर्व लंबा 9 के लिए 1 ग्रे पूर्व के पहले 9 लाद का शब्द इनमें
क्या हुआ है।

दूसरा लंबा 11 के लिए 1 ग्रे कूल के पहले 9 लाद का शब्द इन
में क्या हुआ है।

लक्षणक

दिनांक - 30.11.2006

तथातः लिखा रखा जाना चाहिए

1. प्राप्ति धारक

प्राप्ति

2. वार्ता राजी लोकों वाले

वार्ता वाले वार्ता वाले

वार्ता वाले

वार्ता

2. वार्ता वाले वार्ता वाले वार्ता

वार्ता

वार्ता वार्ता वार्ता वार्ता

वार्ता वार्ता

वार्ता

वार्ता वार्ता



(पी. नूर कुमार)

हिंदित और लक्षणक

पासविद्यालय

प्रियोगी

(पी. नूर कुमार)

प्रियोगी

Digitized by srujanika@gmail.com

କୁଳାଳ ପାଇଁ
କୁଳାଳ ପାଇଁ
କୁଳାଳ ପାଇଁ
କୁଳାଳ ପାଇଁ

10

३०। विश्वामित्र विष्वामित्र विष्वामित्र विष्वामित्र विष्वामित्र
विष्वामित्र विष्वामित्र विष्वामित्र विष्वामित्र विष्वामित्र विष्वामित्र



२ विद्यालय एवं शिक्षा बोर्ड
लखनऊ द्वारा दिये गये अधिकारी विभाग
में से एक अधिकारी के नाम

24 Food

— 1 —

ANSWER WILLIAM HENRY HARRIS

१० वी अमेरिका - २५८४५४३७

1000

卷之三

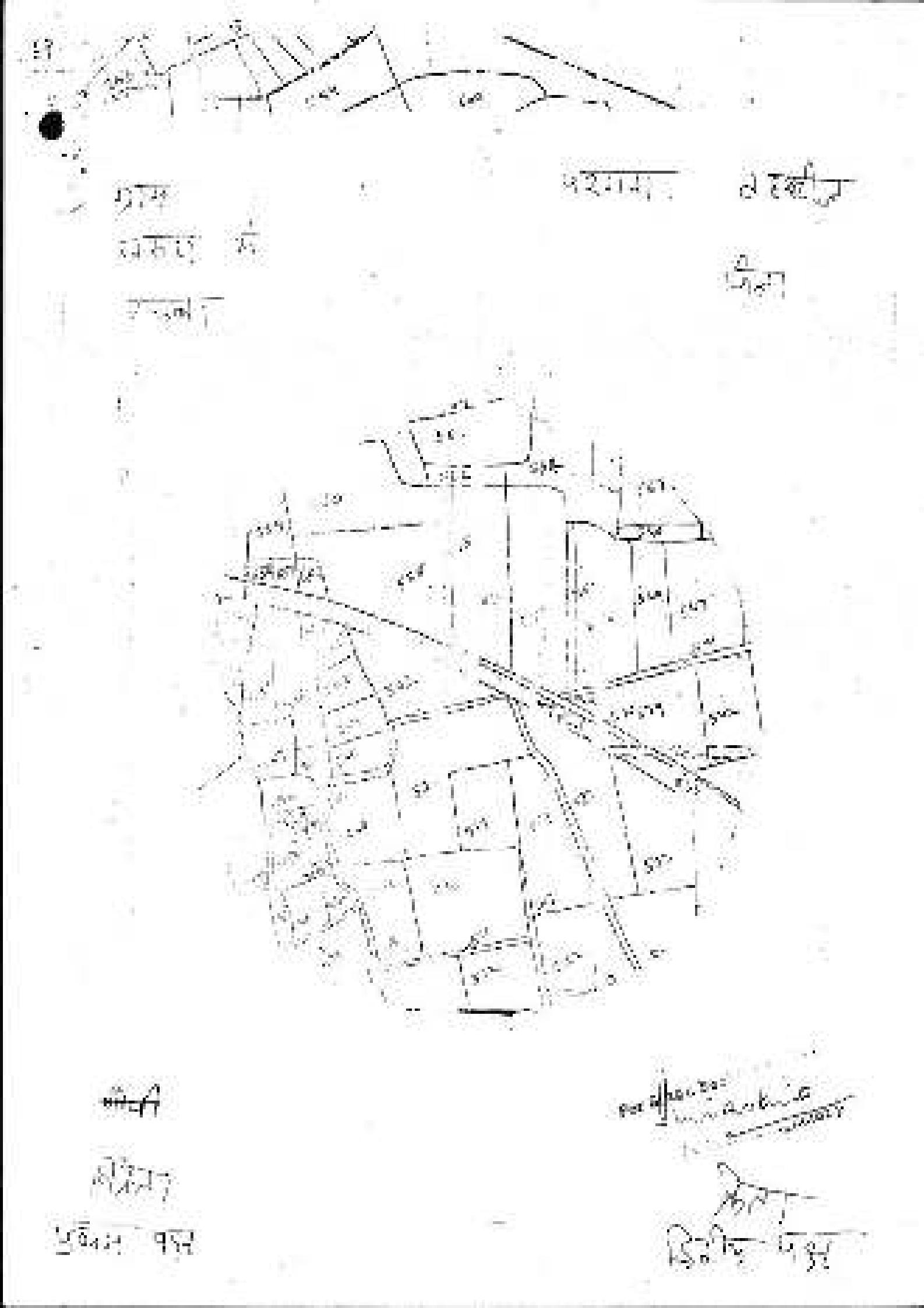
• 100 •

1

१०८५ नवमी के दिन एक विद्यार्थी

10

କୁଟୀ ପ୍ରସାଦ
ଓସ ନିଜାଳେଖା (ପ୍ରସମୀ)
ଲେଖକ
ଶିଖିତ



100

Aggregate No. 10475

1000 2000

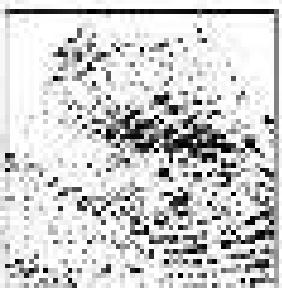
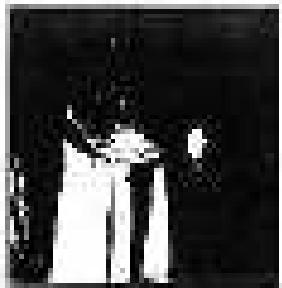
Bach, H.

• 101 • 105

1

www.usgs.gov/special/2007/07_02.htm

1

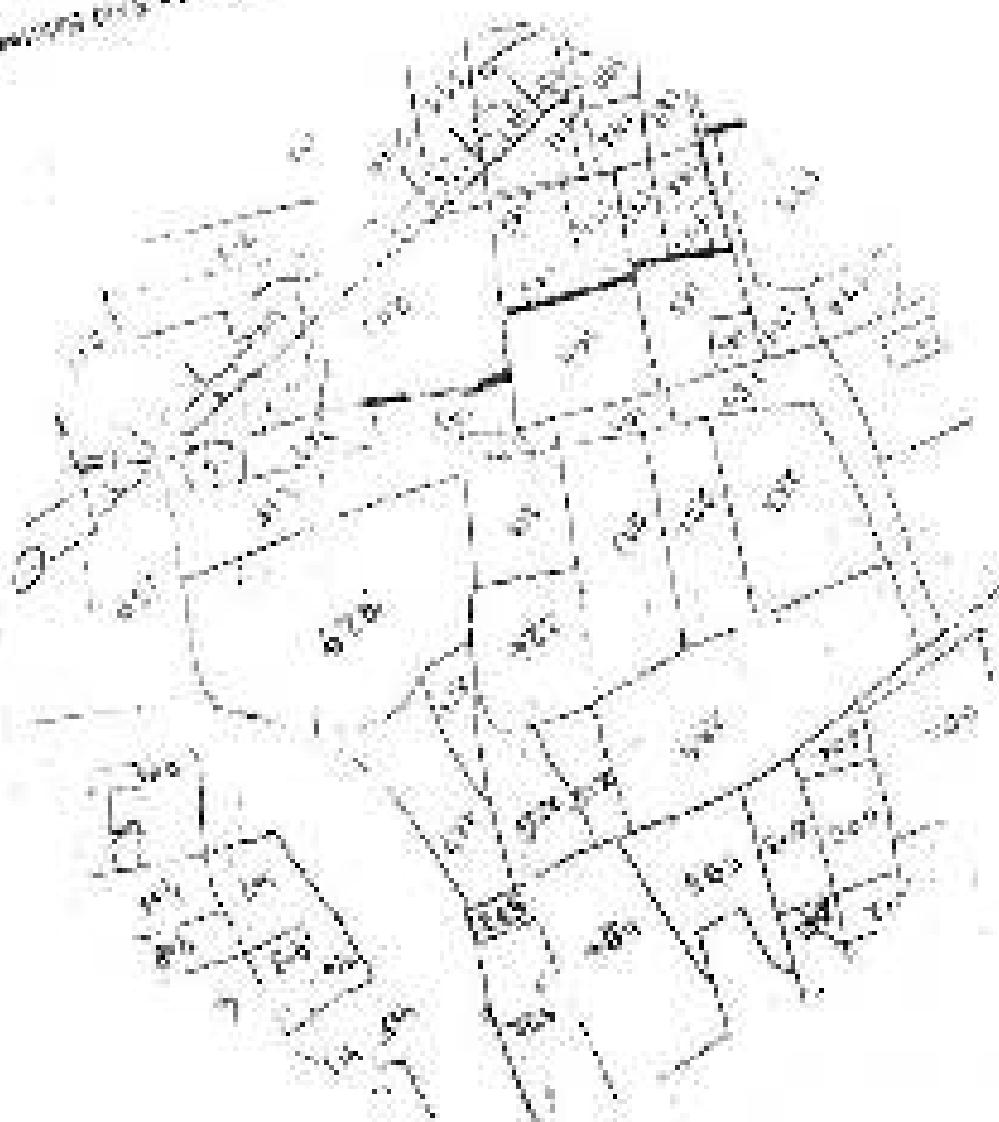


1961-62

1961-62

1961-62
1961-62

1961-62



1961-62

1961-62

1961-62

1961-62

1961-62

1961-62

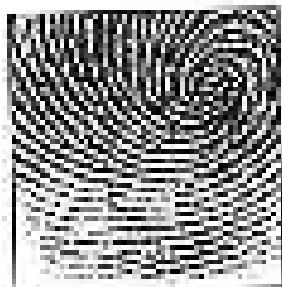


Figure 10

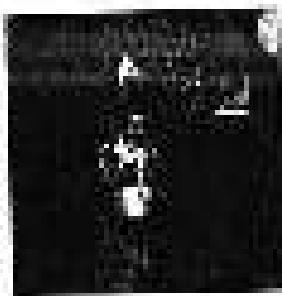


Figure 11

100

1000 10000 100000 1000000 10000000

100000000

1000000000

10000000000

100000000000

1000000000000

10000000000000

100000000000000

1000000000000000

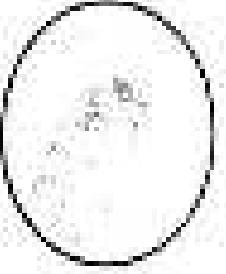
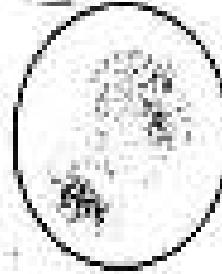
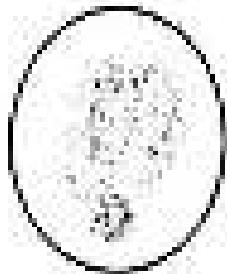
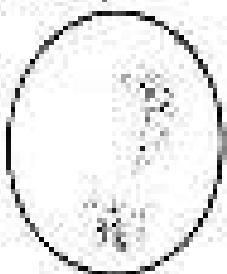
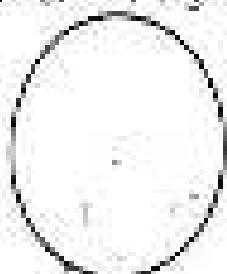
एडिस्ट्रैशन अधिकारी 1908 की दस्ता - 32 दूर के अनुपालन हेतु,

फिल्मर्स प्रिन्टस

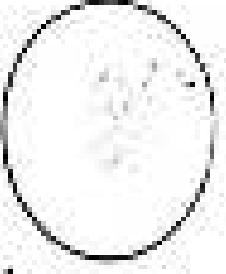
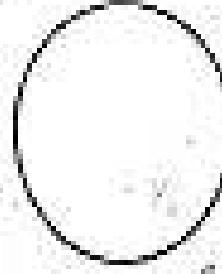
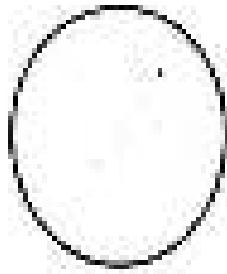
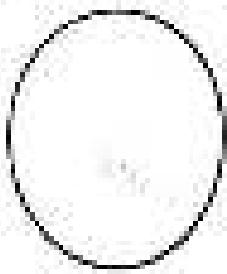
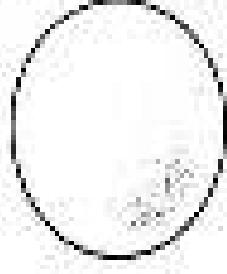
पुस्तकालयका नवीनता वर्णन :-

କୁଳାଙ୍ଗ ପରିବାର

ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਜ਼ਾਰੀ ਹੋ ਰਿਹਾ



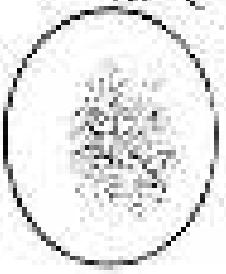
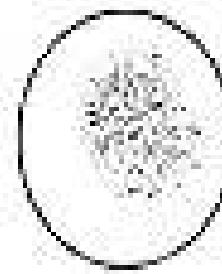
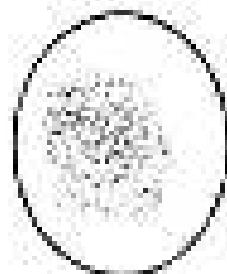
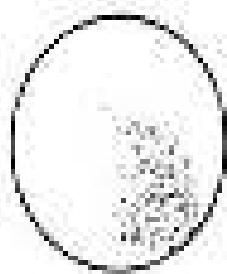
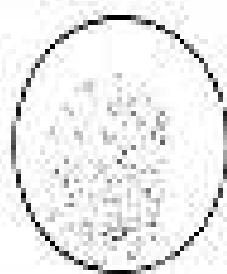
ਦੱਸਣ ਵਾਲੇ ਮਾਮੂਲੀਆਂ ਦੀ ਵਿਧੀ :-



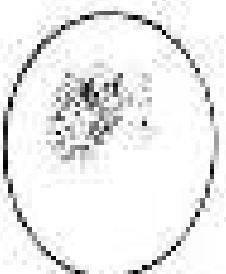
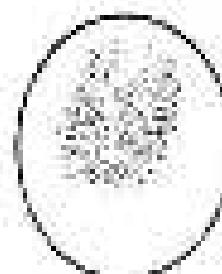
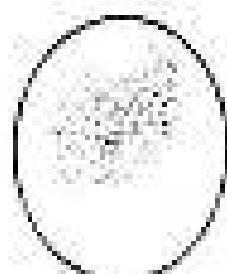
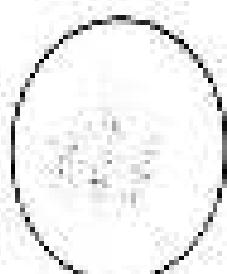
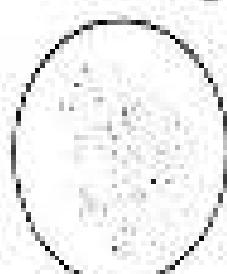
१८६०, इन्होंना जान शकता ॥

ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ

ପିଲ୍ଲା ମୁଖୀଙ୍କରେ ତୁ କୌଣସି
ଏହିକବ୍ଦ କୁଳ ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଆଶି



સુધીની રાખ કરી શકતી અને પ્રદાન :-



विशेषानुभवात्तदेव

साल दिनांक १७/१२/२००६ वर्ष
उमेर १ विकास ७९६९
पुस्तक नं १६३ पृष्ठा २१८ अ. क्रमांक ५०४३६

प्रियों को शिखा देता है।

द्वि. अ. शुक्रला —

प्राप्त निष्पत्ति (प्रशासन)

लखनऊ

टॉ. २५५०५५